North-ex public school (session:2020-2021

class-viii

Subject- Hindi

Worksheet-7(Revision)

• Attempt all questions in your notebook

नाय एक्स पहिलक रक्ल, पैन नगर कहा =) 3-118नी विषय =) श्टिश ट्याकरण प्रा भाषा और बीती में म्या अन्तर है? प्रश्न आहित्य और पद्य साहित्य भें क्या अन्तर है? भे जाम लिखिए। प्रप रचना के आहार पर शक्दों के भीदीं के नाम लिखिर। मंड उपसर्ग उत्तीर प्रत्यय में अंतर लिखिए। निस्नालिया स्थितियों में भागी नेस कप का (11) कंट्यूटर परकाम करने में

DEITA Francisc भग वणी की जीइकर अवद लनाइस। (A) A + >2 + 4 + 371 + A + 3 = (स्व) प् + र् + उन + धन अने + म् न अन = (ग) से + व + आ + स् + ध् + थ् + अं= (E) 3+ 4+ 4+ 4+ 3+ + m+ 37 = तद्भव से तत्सम शाब्द खनाउरा BK 15210 =) dc+14 411211 411-1 द्यीडा 3-1721 921 3-11रव 2TH प्रव निक्न शब्दीं में इस भत्यय जीडकर 2104 01 7134) परिवार (i) (1h) STAFTY UY लोक W प्रा0 मिरन उपसम्में से दी नी शब्द वनाय्या (i) 313 (11) +4 (iii) 3 (IV) 314

प्रा अनुस्वार, अनुनासिक और विसर्ग के प्राष्ट्र अस्ति मात्रा लगाकर वाबद वनाइरा। H E H (ग) गर व 和 4 为 (11) मह नत (iii) निम्न काकरों से उपसर्ग, मूलकाक नथा **H**13 एं समानत परिश्रभी (11) निर्धिक clin असिमदायक (IV) भारत में दंशीय स्थान पर अन्दर्हित 414 निर्वार ।

(अवनी के उतर मा आबा = । जिस स्माद्यन के दुवारा हा अपने बीली =) गाण के दौत्रीय कप की लोली कहते हैं। प्रक गद्भ स्वाहित्य में स्वाहित्याकार स्वान्तान्यां उष्ट कोल्पाल की आधा में उत्पर्न विष्यार व्यक्त भरते है। और - बार्म, निवंश कहानी आहे पद्भ स्नाहित्यों स्नाहित्यमार तुलकरी अखना त्या में द्वारा अपने विनार प्रमट करते हैं। भ3 जो क्या स्करों भी साह्यता से वर्ती जाते हैं। 30 अरो व्यंजन महते हैं। ट्यंजन में तीन और (1) स्वर्ध वयंजन (11) अतस्य व्यंजन प्रथ रचना के उनाशार पर शक्दों के तीन 30 रोव होते हैं। (i) राढ वाकद (ii) भीगिम बाबद (111) भीगारह पड़ जी अक्टों अबद के पहले जुड़कर उसते. 30 अर्थ में परिवर्तन भरते हैं, उसे अपस्वर्ग महते हैं जहार प्रत्या में अन्तरांग्रा शबद री

प्रदेश शिक्षित आषा (11) भीरियम आषा IM ROA 21/41 (iii) 21/ Kay on 21/41 (14) प्रमुख हामालु (ii) प्रयोग (iii) स्वास्य (14) 3G-GAM X8 ACHH 246 3°(1) H+14 (ii) कार्ण (iii) घीटक (iv) अकिन (४) दुउदा (vi) अहि। (vii) राप्ति प्रवर्ष) धारिकारिक तो। बैद्धार्गनक 32 (11) वर्षिक (1V) छेतिहासिक (V) त्रीकिक उपसर्ग से 2104 X 10 30 अनुभव अनु211सन (ii) स्वाशीन स्वयं (iii) के यूत्र क्यासन 3144101 3-14+112 My Note Book

अगिरव प्रावण महिमा तांत्र गौरव मेहनत (IV) प्राप्त उपसर्ग 4m 2104 AC2/21 3°(i) 41101 परि निर ciil (iii) 3/27 (14) 371 2721 + 412105